,φ**ρ**Κ

उत्तरायल शासन्। ,किंगिंग मर ,इभि इन्लाप्ट

भेवा में,

शीनगर गहवाल। ,<u>फाराफ्रक शिक्षा उत्तराचल,</u> ,काष्ट्र5िन

े काम्ट्री : म्हाप्ट्रह

(किंक्तिक्त) 8—गमम्ह (सकनीकी)

। में अंग्रेम के जिक्कि के संबंध में । हें जानिति के जेनवासीय एवं अनावासीय के मिनोण हेतु —: **PP**F

, फ्रेडिम

1ई िरुक नात्र त्रिकृष्टि प्रिक्ति (हाम छान कि प्रिप्ल) छान 00.<u>20</u> ०० मि -800_-800 कि एक्तिमें भड़ ,पृहु रिश्क नाञ्स तीकुर्कि एक्तिमें छेए कनिभाष्ट्रस प्रम नागारि के (हाम प्राप्त भिगम काशीयुर द्वारा गीठेत आगणन के सापेक्ष रू० 190.80 लाख (रूपये एक कार्ज नब्बे लाख अस्सी णिमिन वर्ग माकिन माथ्यम कार्य कार्यात के पिमिन के पिमिन के पिमाय के प्राथमिक क ०००० कम मुझे यह कहने एक हुआ हुआ है कि राज्यपाल महोदय राजकाय प्रतिरोधिक - 80–2002 \ा -:ख–नारू\.।ष्ट्रा.ए.नी \ 8892—कारम केमारू कप्रवर्ग कप्रथा

- । ।। ।। अधीक्षण अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक हो।। करों को जर शिडयूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गयी है, की अनिधन्ता हारा स्वीकृत र के अधीक्षण अभियन्ता हारा स्वीकृत अनुमोदित -2
- । प्राप्त प्रम्की न म्मग्राप्त फाक के जीकुकिंग किंधीलीए तन्हीं, विज्ञ निर्मण जाप जिकुकिंग किंधीलीए क्ष प्रिकशिष्ट मक्ष्म प्रामृतामधनी एक त्रहींग ह्रांनाम े नागंगह त्रांनुभव के कि नाप्त हाक $-\epsilon$
- । ष्राफ । ष्रकी म भी इक कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नामे हैं, स्वीकृत नामे से अधिक व्यय
- । गिर्गं केएष्रवाह । निर्क न्यार तिक्कि मि शिकशीर मक्षम प्रामुनामधनी रुक त्रजीए नाणंगर तरुरवी क्रेप में नंशक धाक में नाधिवार तरुम कर् -9
- । Уंक क्रम्शिनीपृर निभाग द्वारा प्रचलित दर्शे रविशिष्ट्यों के अनुरूप ही कार्य के सम्पादित कराते समय पालन करना मिन कि के पूर्व समस्य औष्यारिकतायें तकनीको दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निमण -9
- । एक्ति में क्षेत्र के अंतर में अंतर किया जाता। अम कप् । प्राप्त एक प्रम क्ष्म निरु है हिए कि ठीकुरि शीर ए हुई किम निर्ध में नागारि -1
- । ग्राप्त । तथा साम कर एक एंडेरीई में लाशानिक किसी प्रयोगशाला से डेस्टिंग करा ली जाय, तथा -8

कार कराने में पूर्व समस्त स्थल का भली—भाति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं मुग्भिनीता कि प्राप्त निरीक्षण निर्माण निरीक्षण कि प्रमुद्ध आवश्यकतानुसार मिर्देश प्राप्त । कि प्रका प्रकार के अनुरूप के प्रमुद्ध के प्रम

-0r मिर्फ के में स्वीर मिर्फ के पिर्फ कि मिर्फ क्षेत्र में स्वीरम में स्वीरम में स्वीरम में में मिर्फ क्षेत्र में मिर्फ के मिर्फ

- क्षेप्राध्ने तोग्त के अनुरान संखा-11 के अन्तरान संखा-11 के अन्तरान लेखाशीकि-तागानर्णात - 1818ी किनिकत - 20 - 180य - 190य - 1

3005.E0.10 कांन्डी 8005 \ह—0ुम्७ की \३E८—ाष्ट्रमं प्रकामा कि माम्ही क्रिम क्रिम क्रिम क्रिम क्रिम क्रिम क्रिम हो। 1 है हैं क्रिम क्रम क्रिम क्

,धरिकमः (इसि इन्धार) । विशास प्रच

म्हें कांन्डी व । क्रिंस

٠,

1. महालेखाकार, *उत्त*रांचल, देहराहून।

─ःतृषीर् हुई डिाघठाक कथश्ववस्थ वं अवश्यक कार्यवाहि हुत प्रचिताः

2. कोषाधिकारी, पौडी \काशीपुर।

3. हिरादुन ,हाइन्हें ,हाइन्हें ,हाइन्हें निवार्थ ,हाइन्हें निवार्थ ,हाइन्हें निवार्थ ,हाइन्हें निवार्थ ,हाइन्ह

वित्त अनुभाग-3 र नियोजन अनुभाग।

√ऽ. राष्ट्रीय सूयना केन्द्र सचिवालय परिसर, देहरादून।

. कार, राजकोषीय नियान एवं संसाधन निर्वशालय। जिल्ला निर्माण निर्माण क्रिकार संसाधन

प्रमुशिक मग्नि गोमिन क्रियो नास्त्री मास्त्री मास्त्

8. आयुक्त कुमायू / गढ़वाल मण्डल, उत्तरांचल।

9. समस्त जिलाधिकारी, उत्तरांचल। 10. गार्ड फाइल।

क्षाड्याध्य (मिष्ट प्रामिष्ट विधिः)

। घनीम्र नृष्ट v